सखी ठुमक ठुमक कर नाचे मेरो मोर बिहारी रे

सखी ठुमक ठुमक कर नाचे मेरो मोर बिहारी रे,
मोर बिहारी मेरो रसिया रास बिहारी रे,
सखी ठुमक ठुमक कर नाचो मेरो मोर बिहारी रे,

नन्द गांव को कृष्ण कन्हैया नटखट नन्द का छोरा,
नील मणि रीतू राज बसनती रस लंपंत रस भोरा,
नित नव नव लीला करे मेरो मोर बिहारी रे,
सखी ठुमक ठुमक कर नाचो मेरो मोर बिहारी रे,

निधि वन नाच कुञ्ज बिहारी मधुवन नाच नचाइयाँ,
यमुना तट को रास रचैया मोहन मुरली बजाइयाँ,
श्री राधे श्री राधे को चित चोर सांवरिया गिरहदर धरी रे,
सखी ठुमक ठुमक कर नाचो मेरो मोर बिहारी रे,

सर पर कलगी पंख रंगीले नैन रसीले रे,
छन छन करते पाँव में घुंगरू होठ रसीले रे,
नन्द गांव से मोर कुटी में आओ मार उडारी रे,
सखी ठुमक ठुमक कर नाचो मेरो मोर बिहारी रे,

'मधुप हरि**'** मधुरं रस बरसे श्याम घटा घनघोर,
छम छम नाचे मोर मुखी जन होई अंत भिभोर,
पैरो ठाकुर मोर बिहारी यु की है बलिहारी रे,
मोर बिहारी मेरो रसिया रास बिहारी रे,
सखी ठुमक ठुमक कर नाचो मेरो मोर बिहारी रे,

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **'**मधुप**'** (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)
स्वर : सर्व मोहन (टीनू सिंह)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/8458/title/sakhi-thumak-thumak-kar-naache-mero-mor-bihari-re

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |